व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

बैग बनाना

द्वारा

स्वयं सहायता समूह – साईं बाबा

एसएचजी/सीआईजी नाम	साईं बाबा
वीएफडीएस नाम	कोलांग
रेंज	लाड भारोल
वन मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

(जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5.	बाजार की संभावनाएं-	6
6.	कार्यकारी सारांश-	6
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-	7
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-	7
9.	उत्पादन योजना का विवरण-	8
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11।	स्वोट अनालिसिस	8
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	9-11
13.	लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)	11
14.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	11
15.	निधि के स्रोत	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	12
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानीतरीका	13
20.	टिप्पणी	13
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	14
22.	समूह फोटो	14
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1.परिचय-

बैग बनाना आय सृजन गतिविधि है जिसे साईं बाबा एसएचजी द्वारा आईजीए के तहत तय किया गया है जो रेंज लाड भरोल और डिवीजन जोगिंदर नगर के वीएफडीएस कोलंग के अंतर्गत आता है। बैग विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे स्कूल बैग, ट्रैवल बैग, कैरी बैग, गर्ल्स कॉलेज बैग, लैपटॉप बैग और कई अन्य। ये सभी बैग अलग-अलग सामग्रियों से सिलाई करके बनाए जाते हैं। बैग की मांग पूरे साल रहती है और इसका इस्तेमाल हर उम्र के लोग करते हैं।

इसका एक समूहमार्च, 2021 में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग की 7 महिलाएं एक साथ आईं और एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया तथा एक व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया, जो उन्हें सामूहिक रूप से बैग निर्माण को अपना आईजीए बनाने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद, साईं बाबा SHG समूह ने सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में चुना है। इस SHG में 7 महिलाएँ हैं जो परियोजना से सहायता प्राप्त करने के बाद अच्छी गुणवत्ता वाले बैग बनाना शुरू करेंगी। परियोजना उन्हें इस कौशल को विकसित करने और पेशेवर बनने के लिए आवश्यक धन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके उनका समर्थन करेगी। वे विभिन्न प्रकार के बैग बनाने में सक्षम होंगे और स्वरोजगार कर सकेंगे। इस SHG की विस्तृत व्यावसायिक योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	साईं बाबा
2.	वीएफडीएस	कोलांग
3.	रेंज	लड भरोल
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	कोलांग
6.	अवरोध पैदा करना	चौंतरा
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	7
9.	गठन की तिथि	15 मई, 2014
10.	बैंक खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड	31510110625 और एचपीएस00315
11।	बैंक विवरण	हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक, लाड भरोल
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50
13.	कुल बचत	4243
14.	कुल अंतर ऋण	30,000
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/ एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	पूनम देवी	एफ	अजय कुमार	सामान्य	अध्यक्ष	9015019762
2	अनीता ठाकुर	एफ	आशीष ठाकुर	सामान्य	सचिव	8627044708
3	गीता देवी	एफ	देशराज	सामान्य	सदस्य	7807761992
4	दया देवी	एफ	रघुवीर सिंह	सामान्य	सदस्य	9625357043
5	रोशनी देवी	एफ	प्रेम सिंह	सामान्य	सदस्य	7807668940
6	विमला देवी	एफ	जोगिंदर सिंह	सामान्य	सदस्य	7018345797
7	अरुणा देवी	एफ	विजय सिंह	सामान्य	सदस्य	7876846068

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	मंडी 90 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	लाड भारोल 8 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	लाड भारोल 8 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	बैजनाथ 20 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	✧ मंडी – 90 किमी ✧ जोगिन्द्रनगर – 34 किमी ✧ पालमपुर -40 किमी ✧ बैजनाथ – 20 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	✧ मंडी ✧ जोगिन्द्रनगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. बाजार की संभावनाएं-

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह साईं बाबा SHG अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से वृद्धि और बदलाव के साथ बाजार की बहुत बड़ी संभावना है, नवीनतम डिजाइन वाले बैग की मांग पूरे साल रहेगी।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गांव -
2	उत्पाद की मांग	पूरे वर्ष भर तथा मार्च में जब स्कूल पुनः खुलते हैं तो मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (समूह स्तर पर)।
5	उत्पाद ब्रांडिंग	साईं बाबा बैग
6	उत्पाद "नारा"	"साईं बाबा बैग- गुणवत्ता में सर्वश्रेष्ठ"

6. कार्यकारी सारांश-

इस साईं बाबा स्वयं सहायता समूह द्वारा बैग बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी।आस-पास के बाज़ार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की अच्छी खासी मांग है। कई बैठकों के बाद, समूह ने आखिरकार यह तय किया है कि आस-पास के बाज़ारों में बैग की मांग को ध्यान में रखते हुए यह गतिविधि निस्संदेह समूह के लिए नकदी पैदा करने का एक ज़रिया होगी।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है, ताकि प्रत्येक सदस्य आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त धन आए।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंडबैग, यात्रा बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा अनेक बैठकों के बाद निर्णय लिया गया है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- समूह में कुल सदस्यों की संख्या 7 है। समूह के लगभग सभी सदस्य प्रतिदिन केवल 4 घंटे काम करेंगे क्योंकि उनके पास अन्य कृषि और घरेलू काम हैं। वे प्रति सप्ताह 6 दिन काम करेंगे। इसलिए, हम कह सकते हैं कि समूह के सदस्य मासिक 600 घंटे काम करेंगे।

- शुरुआत में समूह प्रतिदिन 5 से 10 बैग बनाएगा, बाद में अनुभव के आधार पर इसकी संख्या बढ़ाई जा सकेगी। एक महीने में समूह लगभग 250 बैग बनाएगा।
- धारणा/अनुभव के आधार पर प्रत्येक बैग को मैटी कपड़ा, ज़िप, ताले, स्टिकर, वायर कवरिंग, निवार आदि सामग्री का उपयोग करके बनाया जाएगा; जिसकी लागत बैग के प्रकार और आकार पर निर्भर करेगी। हम कच्चे माल का उपयोग करने की कीमत की सीमा 80 रुपये से 300 रुपये के बीच मान सकते हैं।
- एक महीने में 1 सदस्य के कुल कार्य घंटे (एक महीने में कुल कार्य दिवस 25 होंगे और प्रतिदिन 4 घंटे) 100 घंटे (25 दिन × 4 घंटे) होंगे और एक महीने में SHG सदस्यों की कुल संख्या में से 6 के कार्य घंटे 600 घंटे (25 दिन) होंगे। पूरे समूह के लिए एक महीने में कुल श्रम दिवस 75 दिन (600÷8) होंगे। श्रम लागत 22,500 रुपये (75×300) आती है।

9. उत्पादन योजना का विवरण-

1	प्रति चक्र उत्पादन (माह)	1 महीना = 250 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं (एसएचजी सदस्यों द्वारा तय किए गए अनुसार प्रति माह रोटेशन के आधार पर)
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित बैग उत्पादन	प्रतिदिन 5-10 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

11.स्वोट अनालिसिस -

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।

- कमजोरी-
  - कच्चे माल पर निवेश करने तथा उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए समूह के पास आरक्षित निधि की कमी।
  - व्यवसाय की सफलता के संबंध में समूह के सदस्यों में आत्मविश्वास की कमी।
  - वर्तमान में स्थानीय व्यापारियों द्वारा आयात किए जा रहे फैक्ट्री निर्मित बैगों के साथ उच्च प्रतिस्पर्धा है।

- अवसर-

- इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
- बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
- वर्ष भर मांग बनी रहती है।

- खतरे/जोखिम-
  - समूह के सदस्यों में संघर्ष का खतरा।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार.

12.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	सरताज बैग बनाने की मशीन (95T10) मोटर और स्टैंड के साथ	4	9500	38,000
2	सरताज बैग बनाने की मशीन (95T10) स्टैंड के साथ	3	8000	24,000
3	लकड़ी का काउंटर टेबल	1	5000	5000
4	चटाई	2 (8×10)	3000	6000
5	स्टील रैक	2	4000	8000
6	टूल किट	7	1000	7000
7	कुर्सी और स्टूल	7	800	5600
कुल पूंजी लागत (ए) = 93,600 रुपये				

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मेट्टी कपड़ा	100 मीटर	120	12000	100 मीटर
2	पैराशूट कपड़ा कपड़ा	60 मीटर	80	4800	60 मीटर
3	जूट कपड़ा	50 मीटर	100	5000	50 मीटर
4	बैग स्टिकर	600	3	1800	600
5	कुंडे/ताला/बटन	किलोग्राम	1/2	900	900
6	हॉल किराया, और स्टेशनरी खर्च	रास	1	2000	2000
7	फोम और प्लेन मुद्रित अस्तर कपड़ा	मीटर.	100	110	11000
8	धागा रील 6,8,10	नग	80	60	4800
9	मशीन सुई 21, 23 नग	-	70	10	700
10	मार्कर और मापन टेप	-	-	-	1000
11	धावक 5 और 8 नं	दर्जन	40	45	1800
12	तानी बैग	किलोग्राम	200	8	1600
13	तानी बैग	किलोग्राम	300	6	1800
14	चैन 5नं.	मीटर	150 मीटर	6	900
15	काहिन 8नं.	मीटर	150	10	1500
16	श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा				-
कुल आवर्ती लागत (बी) = 27,100					

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	27,100
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9360
कुल = 36460		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन लागत (कैरी बैग)	1	लगभग रु.20,60,100,130,400
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य (स्कूल/लड़कियों के लिए कॉलेज बैग)	1	लगभग 40-80-120-300-400
3	वर्तमान बाजार मूल्य (यात्रा बैग)	1	100-150- 250-400-500

13. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	9360
2	कुल आवर्ती लागत	27,100
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	250 (लगभग सभी आकार 100,80,60)
4	प्रति बैग विक्रय मूल्य	40 से 400
5	आय पीढ़ी	82500
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	55400
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ - श्रम लागत)	32900/-
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	93,600	70,200	23,400
2	कुल आवर्ती लागत	27,100	0	27,100
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		**1,70,700**	**1,20,200**	**50,500**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	मशीनों/उपकरणों की खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजीगत लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/ [विक्रय मूल्य (प्रति बैग)-उत्पादन लागत (प्रति बैग)]

=93,600/(330-130) = 468

इस प्रक्रिया में लाभ-हानि की स्थिति तब प्राप्त होगी जब468बैग.

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को इसका खर्च वहन करना होगा शेष 75%.

21. समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें

पूनम देवी

अनीता ठाकुर

गीता देवी

अरुणा देवी

रोशनी देवी

दया देवी

विमला देवी

22. समूह फोटो:

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group *Sai Baba* held on *19.09.2022* at *Kolang* that our group will undertake the *Bag making* as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

प्रधान Punam Devi सचिव रमा देवी साई बाबा स्वयं सहायता समूह गांव भरगढ़ई, सहरूण ... त. लड भड़ोल जिला मण्डी (हि.प्र.)	प्रधान Punam Devi सचिव रमा देवी साई बाबा स्वयं सहायता समूह गांव भरगढ़ई, सहरूण ... त. लड भड़ोल जिला मण्डी (हि.प्र.)
Signature of group President	Signature of group secretary

President
Village Forest Development Society
(VFDS) Gram Panchayat Kolang
P.O. Kolang, Teh. Joginder Nagar
Distt. Mandi (H.P.)

Signature of President VFDS

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Sai Baba Group will undertake the Bag making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 1,70,700 has been submitted by the group on 19.09.2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Kolang

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature of group President

Signature of group secretary

President Village Forest Development Society (VFDS) Gram Panchayat Kolang P.O. Kolang, Teh. Joginder Nagar Distt. Mandi (H.P.)

Signature of President VFDS

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

D.M.U. cum Divisional Forest Officer Joginder Nagar